



54वाँ राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह

संस्थान में 4 से 10 मार्च 2025 के दौरान 54वाँ राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह मनाया गया। इस वर्ष का विषय था— **“सुरक्षा और स्वास्थ्य – विकसित भारत के लिए अत्यावश्यक”**। इस सप्ताह के दौरान कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान, औद्योगिक प्लाज़्मा प्रौद्योगिकी सुविधा केंद्र (एफसीआईपीटी) और ईटर-भारत में विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। निर्धारित विषय पर नारा लेखन, प्रश्नोत्तरी और निबंध लेखन जैसी प्रतियोगिताएँ गुजराती, हिंदी और अंग्रेज़ी भाषाओं में आयोजित की गईं, जिनमें कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत संस्थान और एफसीआईपीटी में कर्मचारियों एवं सुरक्षा कर्मियों के लिए **अग्निशमन उपकरणों के प्रदर्शन** का आयोजन किया गया। इसके अलावा **श्री देवेन्द्र मोदी, सुरक्षा अधिकारी** द्वारा **सुरक्षा जागरूकता व्याख्यान** भी आयोजित किया गया।



संस्थान में निबंध लेखन प्रतियोगिता (ऊपर) (नीचे) प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान (बाएँ एवं मध्य) तथा एफसीआईपीटी (दाएँ) में अग्निशमन उपकरणों का प्रदर्शन



समापन सत्र का आयोजन 10 मार्च 2025 को किया गया, जिसमें "आईपीआर में उच्च दबाव उच्च तापमान प्रायोगिक हीलियम शीतलन लूप में सुरक्षा के उपाय" विषय पर श्री अंकित गांधी ने व्याख्यान दिया।

डॉ. सुब्रतो मुखर्जी, डीन (प्रशासन) ने सुरक्षा पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सुरक्षा, कार्यप्रणाली में एक अभिन्न अंग होना चाहिए। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि यदि कोई प्रणाली लंबे समय तक संचालित नहीं होती है, तो उपयुक्त सुरक्षा उपाय अपनाना आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं और सुरक्षा समिति को इस आयोजन की सफलता के लिए बधाई दी।

सुरक्षा समिति के सह-अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार ने उपस्थित सदस्यों को सुरक्षा शपथ दिलाई। इसके बाद विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। सुरक्षा समिति के सदस्य श्री सुधीरसिंह वाला इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया।



श्री देवेन्द्र मोदी (बाएँ) स्वागत भाषण देते हुए, श्री अंकित गांधी (मध्य में) अपने विचार प्रस्तुत करते हुए तथा डॉ. सुब्रतो मुखर्जी (दाएँ) अपने विचार साझा करते हुए।



डॉ. राजेश कुमार सुरक्षा शपथ दिलवाते हुए



श्री युवाकिरण परवस्तु, डॉ. एस. मुखर्जी से पुरस्कार प्राप्त करते हुए



श्री सुनील कुमार से पुरस्कार प्राप्त करते हुए श्री चिराग भावसार (बाएँ) एवं डॉ. हीरल जोशी (मध्य में) तथा डॉ. एस. मुखर्जी से पुरस्कार प्राप्त करते हुए सुश्री उन्नति पटेल (दाएँ)

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं की सूची

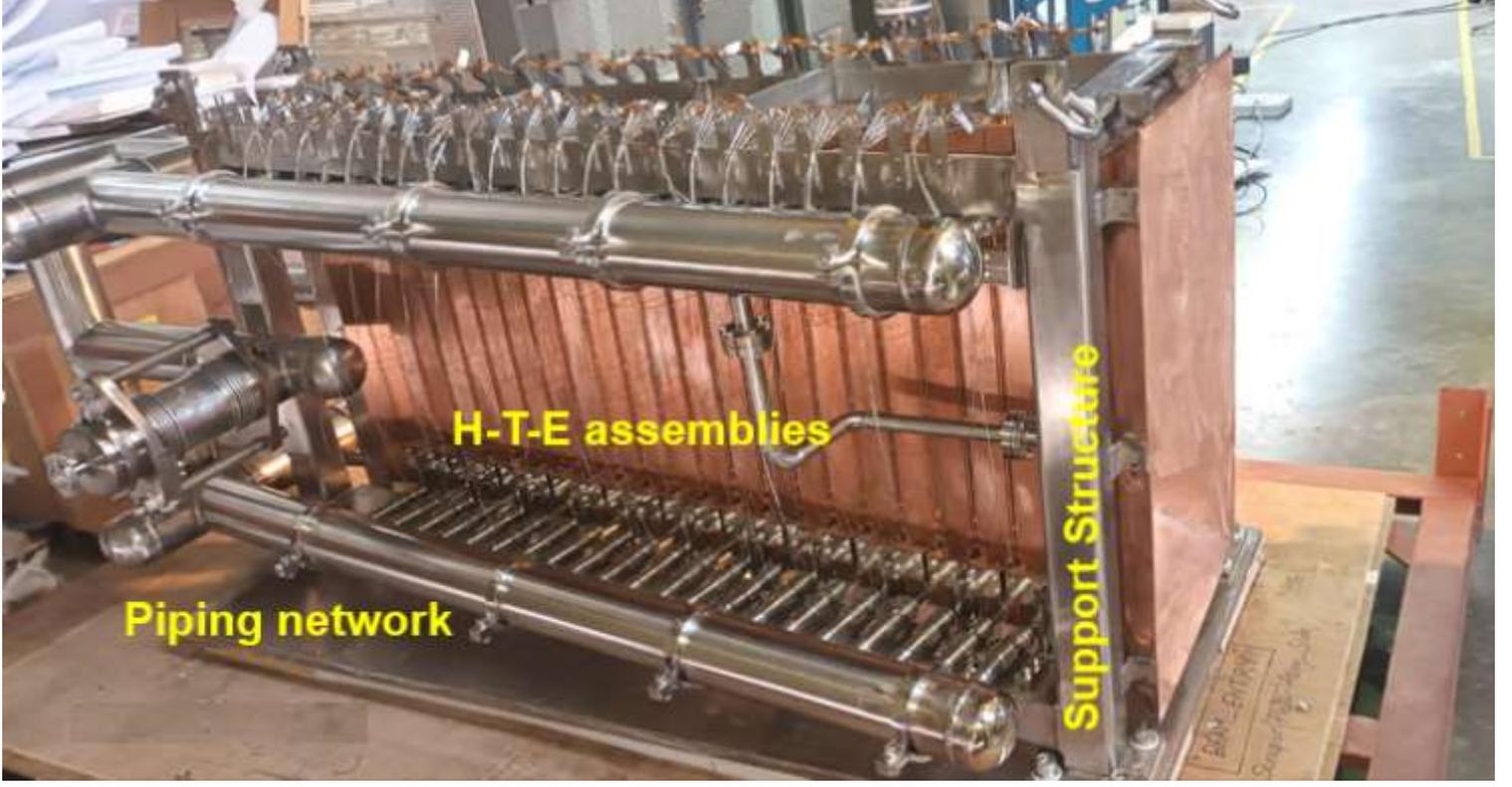
प्रतियोगिता	प्रथम विजेता	द्वितीय विजेता	तृतीय विजेता
गुजराती नारा लेखन	रजनीकांत भाटसणा	प्रकाश परमार	रोनककुमार जोशी
हिन्दी नारा लेखन	विनीत कुमार शुक्ल	कुलदीप कुमार	प्रतिभा गुप्ता
अंग्रेज़ी नारा लेखन	धीरज कुमार	हीरल जोशी	नवीन रस्तोगी
गुजराती निबंध लेखन	चिराग भावसार	उन्नति पटेल	डीकेंस क्रिश्चियन
हिन्दी निबंध लेखन	कुलदीप कुमार	प्रतिभा गुप्ता	गौरव पुरवार
अंग्रेज़ी निबंध लेखन	युवाकिरण परवस्तु	शैफाली शर्मा	दिलशाद सुलेमान
प्रश्नोत्तरी (क्विज़)	सत्यप्रसाद ए.	घीसालाल व्यास	रविश चोकसी

एच-टी-ई (हीट ट्रांसफर एलिमेंट) आधारित द्वितीय कैलोरीमीटर का स्वदेशी विनिर्माण

3

असमान और उच्च ऊष्मीय चालक धातुओं को जोड़ने के लिए पहली बार स्वदेशी विकसित सामग्री CuCrZr और नवीनतम तकनीकी (इलेक्ट्रॉन बीम (ईबी) वेल्डिंग) का प्रयोग करते हुए द्वितीय कैलोरीमीटर, सम्पूर्ण साइज़ 2190 मिमी x 1250 मिमी x 965 मिमी भारतीय उद्योग (मैसर्स एनएफटीडीसी, हैदराबाद के साथ) सफलतापूर्वक निर्माण एवं योग्यता हासिल कर ली है।

इस कैलोरीमीटर में 44 हीट ट्रांसफर एलिमेंट (H - T - Es) के विद्यमान हैं जिनमें प्रत्येक की लंबाई 700 मिमी है। इसे INTF डक्ट के अंत में स्थापित किया जाता है, जहां प्रत्येक H-T-E पीक पावर घनत्व 10 MW/m² को संभाल सकता है और पूर्ण रूप में कैलोरीमीटर कुल न्यूट्रल बीम शक्ति को 2.8 मेगावाट तक सहन कर सकता है। प्रत्येक एच-टी-ई 5 थर्मोकपल से सुसज्जित है, जो बीम डायग्नोस्टिक्स के लिए डंपिंग पैनल पर तापमान को मापता है।

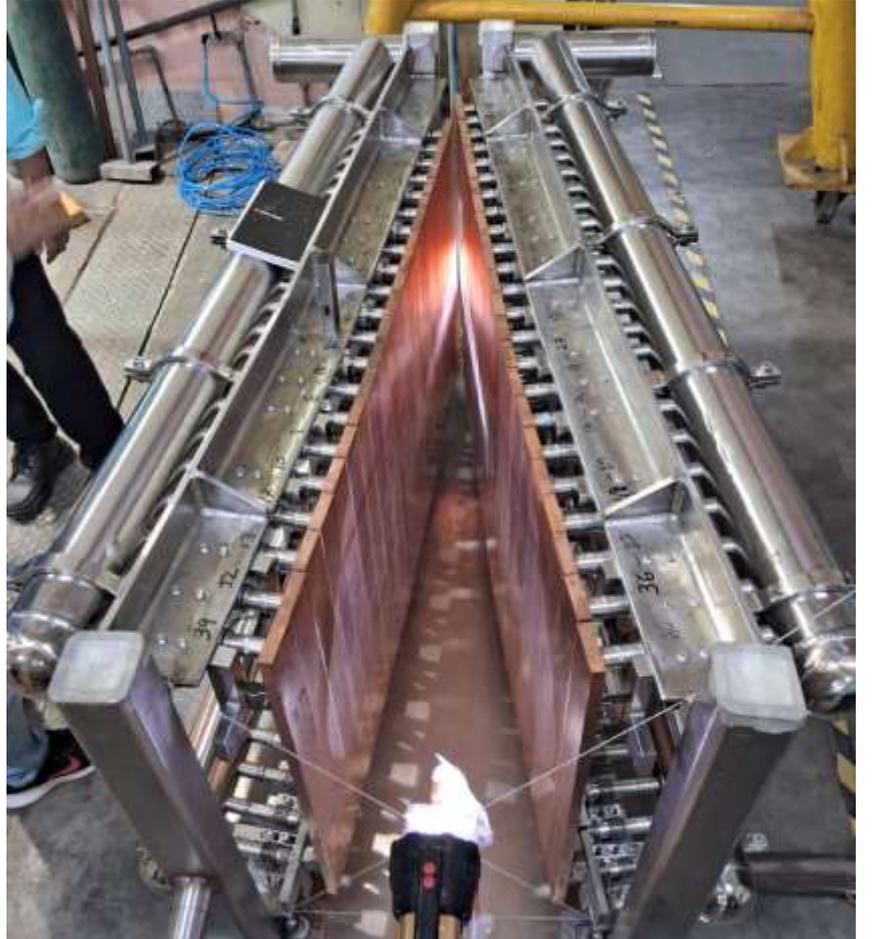


चित्र: कैलोरीमीटर के महत्वपूर्ण भाग, पाइपिंग नेटवर्क, एच-टी-ई असेंबली और सपोर्ट संरचना सहित

इनमें विनिर्माण चुनौतियां 10⁻⁹ मिलीबार लीटर/सेकंड कोटि की हीलियम रिसाव प्रतिरोधकता के साथ CuCrZn से Cu-CrZn और Ni से SS, CuCrZn से Ni की इलेक्ट्रॉन बीम वेल्डिंग और अपारदर्शिता के लिए वांछित विनिर्माण सहिष्णुता की प्राप्ति, अलग-अलग उष्मीय स्थानांतरण तत्वों (H-T-E) की समतलता बनाने और वांछित पदार्थ गुणों (ITER विनिर्देश के अनुसार) के साथ CuCrZr पदार्थ के विकास के रूप में थी।

महत्व: द्वितीय कैलोरीमीटर की प्राप्ति ने MW वर्ग के बड़े आकार के बीम डंप के निर्माण के लिए भारतीय उद्योगों की क्षमताओं को स्थापित किया है जो कि ईटार भारत के DNB समूह के सदस्यों की एक उत्कृष्ट उपलब्धि है।

चित्र: कैलोरीमीटर के दाएं और बाएं भुजा के प्रतिच्छेदनों (इन्टर्सैक्शन्स) पर "शॉइन-थू" बीम की अनुपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण



परमाणु ऊर्जा विभाग (प.ऊ.वि.) के प्लेटिनम जुबली समारोह के अंतर्गत संस्थान के मुख्य परिसर में 15-16 फरवरी 2025 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन ऑफ़लाइन माध्यम से किया गया। इस दो दिवसीय आयोजन में 57 स्कूलों के 350 से अधिक छात्रों और 60 शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के डीन प्रशासन डॉ. सुब्रतो मुखर्जी द्वारा किया गया। इस दौरान सात प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें कुल 21 पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त, संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण एवं संस्थान के जनजागरूकता प्रभाग के हाई-रिजॉल्यूशन वाले सौर दूरबीन द्वारा सौर अवलोकन की भी व्यवस्था की गई। विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में 45 छात्रों और 7 शिक्षकों ने भाग लिया। सेंट जेवियर्स हाई स्कूल, गांधीनगर को प्रतिस्पर्धात्मक आयोजनों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के लिए संस्थान की एनएसडी 2025 रोलेटिंग ट्रॉफी प्रदान की गई। इस दो दिवसीय वैज्ञानिक महोत्सव के दौरान 2000 से अधिक आगंतुकों ने प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान का दौरा किया।



राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2025 का उद्घाटन समारोह



राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2025 की झलकियाँ





राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2025 की झलकियाँ

सुर संध्या कार्यक्रम – 3 मार्च 2025

जनगणना कार्य निदेशालय एवं नराकास, गांधीनगर के संयुक्त तत्वावधान में बड़ौदा एपेक्स अकादमी, गांधीनगर के सभागार में दिनांक 24 फरवरी 2025 को सुर संध्या 2.0 कार्यक्रम के प्रथम चरण का आयोजन किया गया। नराकास, गांधीनगर के सदस्य कार्यालयों के 33 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। प्रथम चरण में आयोजित सुर संध्या में कुल 33 गायकों में से 13 गायकों का चयन किया गया। इन चयनित गायकों में संस्थान के श्री पिनाकिन देवलुक एवं श्री कुलदीप कुमार भी शामिल थे। सुर संध्या का दूसरा चरण दिनांक 3 मार्च 2025 को आयोजित हुआ, जिसमें 13 चयनित गायकों ने अपनी प्रस्तुति दी। सुर संध्या के निर्णायक मंडल में राज्यपाल एवं राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त शिक्षक डॉ. वर्षा पारेख एवं संत जेवियर चर्च, गांधीनगर की लीड क्वारर सुश्री सिनी जोजों को आमंत्रित किया गया था।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती आर्द्रा अग्रवाल, भा.प्र.से.(IAS), गुजरात सरकार को आमंत्रित किया गया था। साथ ही नराकास, गांधीनगर के सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रमुखों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया एवं सभी मधुर प्रस्तुतियों का आनंद उठाया।

सुर संध्या 2.0 गीत गायन प्रतियोगिता के दूसरे चरण में प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान के श्री कुलदीप कुमार ने पांचवां स्थान प्राप्त किया।



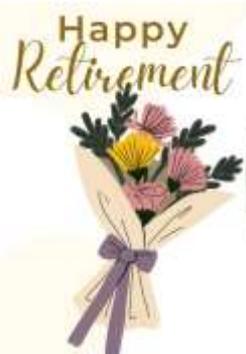
(बाएँ) श्री पिनाकिन देवलुक, लेखा अधिकारी और (दाएँ) श्री कुलदीप कुमार, वैज्ञानिक सहायक-बी गीत प्रस्तुत करते हुए

सुर संध्या कार्यक्रम में उपस्थित श्रोतागण



कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों की तस्वीर

सेवा-निवृत्ति



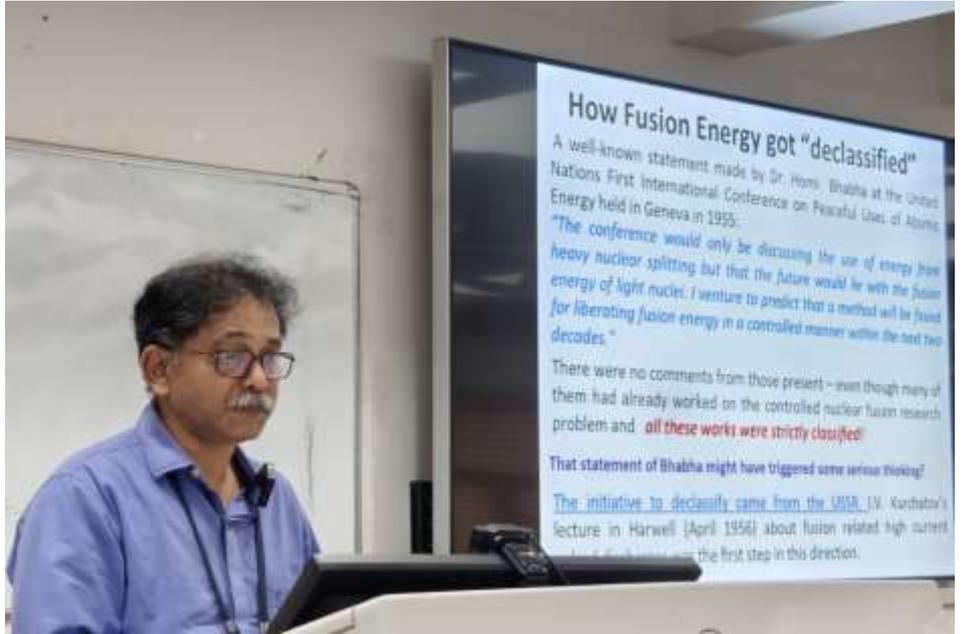
श्री सुनील कुमार दिनांक 31 मार्च 2025 को सेवा निवृत्त हुए। उन्होंने संस्थान में 35 से अधिक वर्षों तक विभिन्न पदों पर कार्य किया और अपनी अमूल्य सेवाएँ प्रदान की।

प्लाज़्मा समाचार की टीम उनकी दीर्घकालिक सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त करती है तथा उन्हें सुखद एवं स्वस्थ सेवानिवृत्त जीवन की हार्दिक शुभकामनाएँ देती है।

प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान में "फ्यूजन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी" पर एक प्रस्तुति श्रृंखला शुरू की गई है। विभिन्न लोकप्रिय व्याख्यान, सेमिनार और संगोष्ठी के माध्यम से फ्यूजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित विषयों पर उपयोगी जानकारी और तकनीकी ज्ञान का प्रचार-प्रसार करना इस श्रृंखला का मुख्य उद्देश्य है। इन प्रस्तुतियों में फ्यूजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं को सम्मिलित किया जाएगा, जिसमें अतीत का इतिहास, वर्तमान स्थिति और भविष्य का दृष्टिकोण शामिल होगा।

इस श्रृंखला का पहला व्याख्यान 06 मार्च 2025 को डॉ. डेनियल राजू द्वारा "परमाणु संलयन अनुसंधान में रूस का योगदान" विषय पर दिया गया।

श्रृंखला में अगला व्याख्यान 07 मार्च 2025 को डॉ. जॉयदीप घोष द्वारा "प्लाज़्मा और फ्यूजन अनुसंधान में भारतीय योगदान और भविष्य की राह!" पर दी गई।



डॉ. डेनियल राजू अपनी प्रस्तुति देते हुए



व्याख्यान में उपस्थित प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान के स्टाफ सदस्य



डॉ. जॉयदीप घोष अपनी प्रस्तुति देते हुए

व्याख्यान में उपस्थित संस्थान के स्टाफ सदस्य

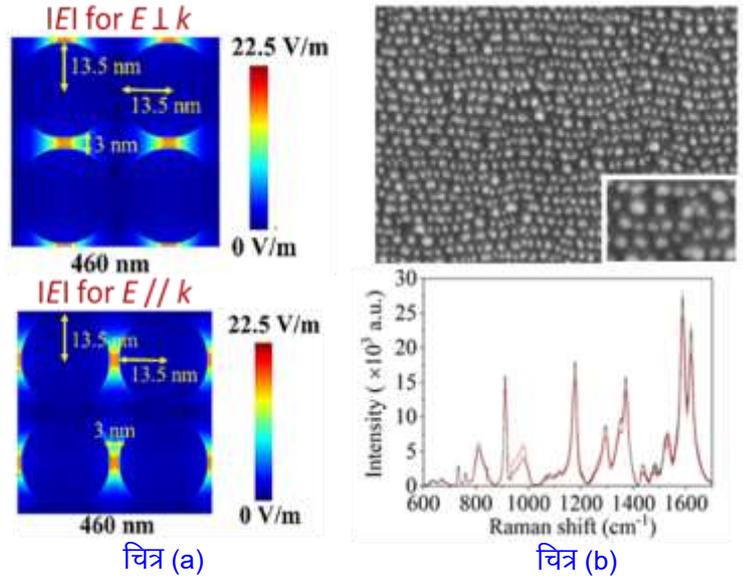
SERS अनुप्रयोग के लिए नैनोरिपल पैटर्न वाली Si सतह पर Ag नैनोकणों की क्रमिक वृद्धि द्वारा LSPR अपररूपता न्यूनीकरण

सतही वृद्धिकरण रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी (अर्थात् सरफेस एनहैंस्ड रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी, SERS) विभिन्न अणुओं की ट्रेस मात्रा का पता लगाने के लिए एक अत्यधिक प्रभावी विधि है, जिसका उपयोग डायग्नोस्टिक्स, खाद्य सुरक्षा, फॉरेंसिक और प्लास्मोनिक्स में किया जाता है। इस अध्ययन में, Ag नैनोकणों (Ag-NPs) की एकसमान श्रृंखला समूह बनाने के लिए एक अभिनव अनुक्रमिक जमाव तकनीक प्रस्तुत की गयी है।

यह दृष्टिकोण उल्लेखनीय रूप से अपररूपता को कम करता है और SERS संकेतों को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है। यह सबस्ट्रेट एनीलिंग की आवश्यकता के बिना कम-पहलू अनुपात वाले Ag-NPs भी उत्पन्न करता है, जिससे तरंगों के साथ अंतर-कण अंतराल में वृद्धि होती है और ओस्टवाल्ड राइपनिंग द्वारा नियंत्रित एक व्यापक आकार वितरण होता है। FDTD सिमुलेशन ने पुष्टि की है कि गोलाकार नैनोकण तरंगों के साथ दोनों दिशाओं में सुसंगत विद्युत क्षेत्र बनाते हैं।

इसके अतिरिक्त, परावर्तन स्पेक्ट्रा द्वारा अनुक्रमिक जमाव के साथ 209 nm से 54 nm तक तरंगदैर्घ्य बदलाव का पता चला, जिससे स्थानीयकृत सतह प्लाज़्मोन अनुनाद (एलएसपीआर) और एसईआरएस तीव्रता में भिन्नता को प्रभावी रूप से कम किया गया। अपररूपता में यह कमी, विशेष रूप से एसईआरएस-आधारित संवेदन में प्लाज़्मोनिक अनुप्रयोगों के लिए अत्यधिक लाभकारी है।

तरुणदीप कौर लांबा, सेबिन ऑगस्टीन, महेश सैनी, के.पी. सोराज, मुकेश रंजन द्वारा लिखित यह कार्य सरफेस एंड इंटरफेस, 52, 104852, जुलाई, 2024 में प्रकाशित हुआ है।



चित्र (a)

चित्र (b)

चित्र (अ) एनपी के चारों ओर एक विशेष आवृत्ति के लिए विद्युत क्षेत्र वितरण, एफडीटीडी सिमुलेशन का उपयोग करके प्राप्त किया गया, जो $E \perp k$ के लिए $D = 3$ एनएम, $E // k$ के लिए $D = 13.5$ एनएम के निश्चित मूल्यों के साथ किया गया। (ब) अनुक्रमिक जमाव की एसईएम छवि और एसईआरएस स्पेक्ट्रा।

"क्या एक शोधकर्ता एक अच्छा उद्यमी बन सकता है?" - विशेषज्ञ द्वारा चर्चा

शैक्षणिक और वैज्ञानिक समुदाय के भीतर नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के चल रहे प्रयासों के तहत, एआईसी-आईपीआर प्लाज़्माटेक इनोवेशन फाउंडेशन ने एचबीएनआई इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल के साथ मिलकर 13 मार्च, 2025 को "क्या एक शोधकर्ता एक अच्छा उद्यमी बन सकता है? - प्रौद्योगिकी अंतरण और डिज़ाइन परिप्रेक्ष्य में" विषय पर एक व्यावहारिक चर्चा का आयोजन किया है। इस सत्र का उद्देश्य प्रौद्योगिकी अंतरण के महत्व और प्रयोगशाला आधारित नवाचारों से लेकर बाजार के लिए तैयार उत्पादों तक की यात्रा के बारे में जागरूकता फैलाना था।

अमर राजा डिज़ाइन अल्फा प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. सुरेश नायर, जो कि एक निपुण विशेषज्ञ और उद्यमी हैं, ने इस सत्र में प्रौद्योगिकी विकास और व्यावसायीकरण के क्षेत्रों में अपने व्यापक अनुभव को श्रोताओं के साथ साझा किया। अपने संबोधन के दौरान, डॉ. सुरेश ने प्रयोगशाला अनुसंधान और बाजार की जरूरतों के बीच की खाई को पाटने में शोधकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने उत्पाद विकास प्रक्रिया का विस्तृत अवलोकन प्रदान किया, जिसमें प्रौद्योगिकी तत्परता, बाजार मूल्यांकन, डिज़ाइन रणनीतियों और सफल व्यावसायीकरण के मार्गों जैसे आवश्यक घटकों पर प्रकाश डाला गया।

इस व्याख्यान में छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों की सक्रिय और उत्साही भागीदारी देखी गई, जिन्होंने सार्थक चर्चाओं में भाग लिया और इस बारे में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्राप्त की कि कैसे शोध-महत्वपूर्ण विचारों को प्रभावशाली उद्यमशील उपक्रमों में बदला जा सकता है। इस सत्र ने शोधकर्ताओं को एक ऐसा मूल्यवान मंच प्रदान किया कि वे अपने नवाचारों के व्यावहारिक अनुप्रयोग के लिए उद्यमशीलता के तरीकों पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित हो सकें।



डॉ नीरव जमनापरा (बाएं), निदेशक एआईसी-आईपीआर वक्ता का परिचय देते हुए, डॉ सुरेश नायर (बीच में) अपनी बात रखते हुए एवं श्रोतागण (दाएं) व्याख्यान में भाग लेते हुए

16 फरवरी से 28 फरवरी 2025 तक संस्थान में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। इसके अंतर्गत आयोजित विविध कार्यक्रमों में प्रतियोगिताएं, प्लॉग- ए- थॉन, तथा वृक्षारोपण शामिल थे। 27 फरवरी को सभी स्वच्छता कर्मियों तथा बागवानी कर्मियों के लिये, उनके अथक निरंतर प्रयासों के धन्यवाद स्वरूप और उनका हौसला बढ़ाने के लिये, चाय- नाश्ते की व्यवस्था की गयी। प्लाज़्मा भौतिकी केंद्र-प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान (सीपीपी-आईपीआर) गुवाहाटी परिसर में एक हस्ताक्षर अभियान तथा एक स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें स्टाफ सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी की। वहाँ पर स्टाफ सदस्यों के बच्चों के लिये एक चित्रकारी प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी। 28 फरवरी को पखवाड़े का समापन सत्र आयोजित किया गया। इसमें सीईई (सेंटर फॉर एंविरोन्मेंट एजुकेशन) अहमदाबाद के प्रोग्राम ऑफिसर श्री उत्सव मोदी को आमंत्रित किया गया था, जिन्होंने "टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन, आरआरआर (कम करें, पुनः उपयोग करें, पुनर्चक्रण करें) और चक्रीय अर्थव्यवस्था" पर एक विशिष्ट व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम के दौरान प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गये। स्वच्छता समिति के अध्यक्ष श्री दिलीप रावल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और डीन-प्रशासनिक ने अपने समापन भाषण से स्वच्छता के महत्व पर जोर देते हुए पखवाड़े के सफल आयोजन के लिये सबकी सराहना की। साथ ही उन्होंने स्वच्छता के लिये ऐसे ही निरंतर काम करने हेतु सबको प्रेरित किया।



संस्थान के कैटीन में हाउसकीपिंग स्टाफ जल-पान करते हुए



प्लाज़्मा भौतिकी केंद्र-प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी में हस्ताक्षर अभियान और स्वच्छता अभियान



व्याख्यान देते हुए श्री उत्सव मोदी (बाएं)। डीन प्रशासनिक, डॉ. सुब्रतो मुखर्जी वक्ता को सम्मानित करते हुए (दाएं)



सीपीपी-आईपीआर के स्टाफ सदस्यों के बच्चों द्वारा बनाए गए स्वच्छता पर केंद्रित चित्र

सीपीपी-आईपीआर में आयोजित समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता पुरस्कार प्राप्त करते हुए



फोटो प्वाइंट, गेट #2 पर वर्टिकल प्लांटेशन

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को डीन प्रशासन (शीर्ष पंक्ति) और अतिथि वक्ता (निचली पंक्ति) द्वारा सम्मानित किया गया



स्वच्छता समिति 2025 के सदस्यों के साथ अतिथि वक्ता (बाएं से चौथे) और डीन प्रशासन (दाएं से तीसरे)

महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का सम्मान करने के लिए और लैंगिक समानता के समर्थन में हर साल 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (आईडब्ल्यूडी) मनाया जाता है। भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान ने 12 मार्च, 2025 को उत्साह और उमंग के साथ "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025" मनाया।

इस वर्ष की अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम, "एक्सिलरेट एक्शन" यानी कार्रवाई में तेजी लाना, जो समाज की प्रगति के लिए महिलाओं को सशक्त बनाने के विशिष्ट महत्व को रेखांकित करता है। इस थीम को ध्यान में रखते हुए महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और जागरूकता लाने के उद्देश्य से कुछ गतिविधियाँ आयोजित की गईं। प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान, एफसीआईपीटी, ईटर-भारत और सीपीपी-आईपीआर के स्टाफ सदस्य अधिक संख्या में इन गतिविधियों से जुड़ सकें, इसलिए ये गतिविधियाँ ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यम से आयोजित की गईं। लगभग 150 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। उल्लेखनीय रूप से, पुरुष सहकर्मियों ने दर्शक और वक्ता के रूप में सक्रिय रूप से भाग लिया, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अपने दृष्टिकोण साझा किए तथा लैंगिक समानता के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया।



कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. संध्या दवे(बाएं)। दीप प्रज्वलन समारोह में गुजरात विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो. नीरजा गुप्ता (बाएं से तीसरे) सहित कई सम्मानित अतिथि मौजूद थे।



अतिथि डॉ. नीरजा गुप्ता का स्वागत एवं सत्कार करते हुए डॉ. सुब्रतो मुखर्जी, कार्यकारी निदेशक एवं डीन प्रशासन (बाएं), श्रीमती सुप्रिया नायर, कार्यकारी मु.प्र.अ. (बीच में) और डॉ. रंजना गंगराडे, अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ

उद्घाटन समारोह के दौरान, डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने अपने मधुर बांसुरी वादन से और डॉ. अनिता वी.पी. ने वीणा वादन की मनमोहक संगीतमय प्रस्तुति से सभी को भाव विभोर कर दिया। इस कार्यक्रम में दो शास्त्रीय भारतीय वाद्ययंत्रों का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण था, जो सांस्कृतिक समृद्धि और संगीत की उत्कृष्टता को दर्शाता है।



डॉ. देवेन्द्र शर्मा (बाएं) बांसुरी बजाते हुए एवं डॉ. अनिता वी.पी. (दाएं) वीणा वादन करते हुए

उद्घाटन समारोह में उपस्थित दर्शक



डॉ. सुब्रतो मुखर्जी (बाएँ) अपने विचार साझा करते हुए, डॉ. रंजना गंगराडे (बीच में) अतिथि वक्ता का परिचय देते हुए। प्रो. नीरजा गुप्ता (दाएँ) "भारत का आध्यात्मिक भूगोल" विषय पर व्याख्यान देते हुए



प्रो. शालिनी एस. (बाएँ), स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, एनएफएसयू, गांधीनगर ने "महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य देखभाल" पर एक व्याख्यान दिया। उन्हें डॉ. रंजना गंगराडे, डॉ. अनिता वी.पी. और सुश्री मनिका शर्मा द्वारा सम्मानित किया गया।



संस्थान के गेस्ट हाउस में दोपहर के भोजन के दौरान मनोरंजक गतिविधियों का आनंद लेते हुए महिला कर्मचारीगण



संस्थान की महिला कर्मचारियों का समूह चित्र

दिनांक	संस्थान	आंगतुक
17-जनवरी-2025	निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद	ईई के 74 छात्र और 3 संकाय
20-जनवरी-2025	निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद	ईई के 80 छात्र और 2 संकाय
21-जनवरी-2025	लालन कॉलेज, भुज, कच्छ	बीएससी. (भौतिकी) के 35 छात्र और 3 संकाय सदस्य
22-जनवरी-2025	साकार इंग्लिश स्कूल, चांदखेड़ा, अहमदाबाद	कक्षा 7 के 60 छात्र और 2 शिक्षक
03-फरवरी-2025	पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय, गांधीनगर	सीएसई के 145 छात्र और 4 संकाय सदस्य (2 बैच)
04-फरवरी-2025	पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय, गांधीनगर	सीएसई के 149 छात्र और 4 संकाय सदस्य (2 बैच)
05-फरवरी-2025	पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय, गांधीनगर	सीएसई के 79 छात्र और 2 संकाय सदस्य
17-फरवरी-2025	यू.वी. पटेल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गणपत विश्वविद्यालय	एमई/एमसी/एई के 87 छात्र और 3 संकाय सदस्य
18-फरवरी-2025	यू.वी. पटेल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गणपत विश्वविद्यालय	ईई के 71 छात्र और 2 संकाय सदस्य



निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद के छात्रों और शिक्षकों की समूह तस्वीरें



लालन कॉलेज, भुज के छात्रों और शिक्षकों की समूह तस्वीरें



साकार इंग्लिश स्कूल, अहमदाबाद के छात्रों और शिक्षकों की समूह तस्वीरें



पीडीईयू, गांधीनगर के छात्रों, संकाय सदस्य एवं संस्थान के जनजागरूकता प्रभाग के सदस्यों का समूह चित्र



पीडीईयू गांधीनगर के विद्यार्थियों और शिक्षकों का समूह चित्र



प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान की प्रयोगशाला में भ्रमण के दौरान गणपत विश्वविद्यालय के छात्रों का चित्र



गणपत विश्वविद्यालय के छात्रों, संकाय सदस्यों एवं संस्थान के जनजागरूकता प्रभाग के सदस्यों का समूह चित्र

चारुतर विद्या मंडल (सीवीएम) विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, आनंद, गुजरात में प्लाज़्मा प्रदर्शनी

प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान, गांधीनगर (गुजरात) ने चारुतर विद्यामंडल (CVM) विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, आनंद, गुजरात के सहयोग से 31 जनवरी – 01 फरवरी 2025 के दौरान "प्लाज़्मा: पदार्थ की चौथी अवस्था" विषय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। यह कार्यक्रम "प.ऊ.वि. के 70 वर्ष" समारोह के तहत संस्थान की वैज्ञानिक जागरूकता गतिविधि का हिस्सा था, जिसे भारत के विभिन्न राज्यों में आयोजित किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम के तहत छात्रों और आम जनता के अवलोकन हेतु प्लाज़्मा, उसके अनुप्रयोगों और संलयन प्रौद्योगिकी से संबंधित एक प्रदर्शनी आयोजित की गई। मेज़बान कॉलेज के 48 छात्रों को संस्थान के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया गया, ताकि वे प्रदर्शनी में विभिन्न मॉडलों और प्रयोगों को आगंतुकों को प्रभावी ढंग से समझा सकें। इस दो दिवसीय प्रदर्शनी में वल्लभ विद्यानगर, आनंद (गुजरात) और उसके आसपास के क्षेत्रों से 12,000 से अधिक छात्रों, शिक्षकों और आम जनता ने सहभागिता की।



सीवीएम विश्वविद्यालय, आनंद, गुजरात में आयोजित प्लाज़्मा प्रदर्शनी का चित्र

डॉ. डी. के. असवाल, निदेशक प्ला.अ.सं., ने 11 मार्च 2025 को प्लाज़्मा भौतिकी केन्द्र-प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान (सीपीपी-आईपीआर) का दौरा किया। उनके साथ डॉ. परितोष चौधरी, डीन (आरएंडडी) और डॉ. शांतनु करकरी भी थे। प्लाज़्मा भौतिकी केन्द्र-प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान के केन्द्र निदेशक डॉ. बी. के. सैकिया ने उनका स्वागत किया। प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान के निदेशक ने सीपीपी-आईपीआर के सेमिनार हॉल में सभा को संबोधित किया और राष्ट्र के विकास के लिए संलयन ऊर्जा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सभी को भारत के नाभिकीय संलयन कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इसके बाद, प्लाज़्मा भौतिकी केन्द्र-प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं के वैज्ञानिकों ने अपनी वर्तमान वैज्ञानिक गतिविधियों को प्रस्तुत किया और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। इस सत्र के बाद एक प्रयोगशाला भ्रमण आयोजित किया गया, जिसमें निदेशक, डीन (अनुसंधान एवं विकास) और डॉ. करकरी ने सीपीपी-आईपीआर की सभी प्रयोगशालाओं का दौरा किया और वहां की मौजूदा गतिविधियों की जानकारी ली।

इसके अतिरिक्त 10 मार्च 2025 को डीन (अनुसंधान एवं विकास) और डॉ. करकरी ने प्लाज़्मा भौतिकी केन्द्र-प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों के साथ आगामी डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) पर चर्चा की। 12 मार्च 2025 को, डीन (अनुसंधान एवं विकास) और डॉ. करकरी ने सीपीपी-आईपीआर के वैज्ञानिकों के साथ एक और बैठक की और विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।



डॉ. बिपुल सैकिया, केंद्र निदेशक, सीपीपी-आईपीआर द्वारा डॉ. असवाल का पारंपरिक स्वागत



डॉ. सैकिया परिचय देते हुए



सीपीपी-आईपीआर के सदस्यों को संबोधित करते हुए डॉ. डी. के. असवाल



प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान के निदेशक के साथ सीपीपी-आईपीआर के कर्मचारियों का समूह चित्र

16 जनवरी 2025 को भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (EDII) में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस 2025 मनाया गया, जिसमें उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने, प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण और उद्योग को नवाचार से जोड़ने पर ज़ोर दिया गया। इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों, उद्यमी नेताओं, शोधकर्ताओं और स्टार्टअप संस्थापकों को ज्ञान के आदान-प्रदान, नेटवर्किंग और अत्याधुनिक तकनीकों के प्रदर्शन के लिए एक जीवंत मंच बनाने के लिए एक साथ लाया गया।

सम्मानित अतिथि वक्ताओं में श्री हितेश एस मकवाना, आईएएस, भारत के महासर्वेक्षक; श्री आर डी बरहट, संयुक्त उद्योग आयुक्त – गुजरात सरकार; डॉ. अरविंद सी. रानाडे, निदेशक – राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (एनआईएफ), डॉ. नीरव जमनापारा, प्रमुख – एआईसी- आईपीआर और डॉ. सुरेश कुमार मोज्जादा, मुख्य तकनीकी अधिकारी – समुद्री कृषि, आईसीएआर-सीएमएफआरआई शामिल थे।

डॉ. नीरव जमनापारा ने संस्थान द्वारा विकसित तकनीकों एवं एआईसी- आईपीआर के माध्यम से नवोदित स्टार्टअप्स को प्रदान की जा रही इनक्यूबेशन सहायता के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें नवोद्यमी, शोधकर्ता एवं उद्योग जगत के अग्रणी शामिल थे। यह आयोजन विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के बीच मूल्यवान विचार-विनिमय और संभावित सहयोग के लिए एक प्रभावशाली मंच सिद्ध हुआ।



डॉ. नीरव जमनापारा द्वारा दिए गए वक्तव्य की एक झलक

अतिथियों एवं प्रतिभागियों का सामूहिक चित्र

जायरोट्रॉन पर विशेषज्ञ द्वारा व्याख्यान

डॉ. यूरी बेलोव, मेसर्स गायकॉम रशिया ने 12 मार्च 2025 को "जायरोट्रॉन निर्माण प्रक्रिया और जायरोट्रॉन में तकनीकी विकास" विषय पर एक व्याख्यान दिया। उन्होंने गायकॉम में विभिन्न प्रकार के जायरोट्रॉन के विकास हेतु प्रयुक्त निर्माण तकनीकों एवं सुविधाओं पर भी विस्तार से चर्चा की।



(बाएँ) डॉ. यूरी बेलोव अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए। (दाएँ) व्याख्यान में उपस्थित आईपीआर के कर्मचारी



डीन (प्रशासन) एवं आईपीआर के ईसीआरएच समूह के सदस्यों के साथ डॉ. यूरी बेलोव

जागीरोड कॉलेज, असम में प्लाज़्मा प्रदर्शनी

प्लाज़्मा भौतिकी केन्द्र-प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान (सीपीपी-आईपीआर) के जनजागरूकता प्रकोष्ठ ने 28 फरवरी 2025 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर जागीरोड कॉलेज, जागीरोड, असम में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी कार्यक्रम में भाग लिया। इस प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार के प्लाज़्मा यंत्रों को प्रदर्शित किया गया, जो प्लाज़्मा उत्पन्न करने की विभिन्न विधियों तथा उनके अनुप्रयोगों को दर्शाते थे। विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों से आए लगभग 200 छात्रों एवं शिक्षकों ने इस स्टॉल का भ्रमण किया।



जागीरोड कॉलेज, असम में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह में सीपीपी-आईपीआर के जनजागरूकता प्रभाग की सहभागिता

सम्मेलन प्रस्तुति

सुश्री तरुणदीप कौर लांबा, शोध छात्रा, ने 22 से 24 फरवरी 2025 के दौरान पुर्तगाल में आयोजित फोटोनिक्स, प्रकाशिकी एवं लेज़र प्रौद्योगिकी पर 13वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक मौखिक प्रस्तुति दी।

उनकी प्रस्तुति का शीर्षक था: "सतह-वर्धित रमन प्रकीर्णन (SERS) अनुप्रयोग के लिए तरंगाकार सिलिकॉन संरचना पर चाँदी नैनोकणों का अनुक्रमिक निक्षेपण"

सम्मेलन में अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए सुश्री तरुणदीप कौर लांबा



बधाई हो!



डॉ. डब्ल्यू. जॉयचंद्र सिंह ने "प्लाज़्मा सहायक विधि द्वारा CuO कणों का संश्लेषण एवं डाई अपघटन के लिए उनका फोटोकैटलिटिक अनुप्रयोग" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। यह व्याख्यान अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला - कोल्ड प्लाज़्मा प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयोग (CPTA-2025) में हुआ, जो 6 से 8 फरवरी 2025 तक BIT मेसरा, जयपुर परिसर में आयोजित की गई थी।

उन्हें "सामाजिक उपयोग हेतु प्लाज़्मा अनुप्रयोग" श्रेणी में "सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार" प्राप्त हुआ है।

लेखक को हार्दिक बधाई!

संस्थान में दिनांक 19 मार्च 2025 को हिंदी कार्यशाला एवं 'तकनीक के साथ विज्ञान की बात' व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन समन्वित रूप से सेमिनार हॉल में किया गया। कार्यशाला के प्रारंभ में संस्थान की हिंदी अधिकारी द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन के प्रमुख बिन्दु पर चर्चा की गई। इसके पश्चात् संस्थान के उच्च तापमान प्रौद्योगिकी प्रभाग (HATTD) के वैज्ञानिक अधिकारी-एफ श्री विनय मेनन द्वारा "टोकामैक संचालन के मूलभूत सिद्धांत एवं संलयन में इसका अनुप्रयोग" विषय पर हिन्दी में व्याख्यान दिया गया। उन्होंने सरल हिंदी भाषा में प्लाज्मा भौतिकी की अवधारणाओं को समझाया और बताया कि टोकामैक (Tokamak) एक उन्नत वैज्ञानिक उपकरण है, जो प्लाज्मा को नियंत्रित करने और उसमें दीर्घकालिक संलयन प्रतिक्रिया बनाए रखने के लिए मजबूत चुम्बकीय क्षेत्रों का उपयोग करता है। उन्होंने दुनिया की प्रमुख टोकामैक परियोजनाओं, जैसे कि SST-1 (भारत में विकसित), ITER (अंतरराष्ट्रीय सहयोग परियोजना) आदि की जानकारी दी एवं अवगत कराया कि ये परियोजनाएं नवीनतम ऊर्जा स्रोतों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

कार्यक्रम के दौरान संलयन ऊर्जा (Fusion Energy) के वैज्ञानिक और तकनीकी पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया। श्री मेनन ने बताया कि संलयन ऊर्जा एक ऐसा भविष्य का स्रोत है, जो न केवल असीमित ऊर्जा प्रदान कर सकता है बल्कि यह पर्यावरण के अनुकूल और कार्बन-न्यूट्रल भी है। उन्होंने टोकामैक के प्रमुख घटकों जैसे कि वैक्यूम चेंबर, टोरोयडल एवं पोलॉइडल चुम्बक, सुपरकंडक्टर, क्रयोजेनिक प्रणाली, न्यूट्रल बीम इंजेक्शन प्रणाली आदि का परिचय दिया और बताया कि ये घटक किस प्रकार प्लाज्मा को स्थिर रखते हैं और संलयन प्रक्रिया को नियंत्रित करते हैं। उन्होंने यह भी बताया प्लाज्मा का आकार और उसकी स्थिति मुख्य रूप से चुम्बकीय क्षेत्र के मान और दिशा पर निर्भर होती है।

अपने व्याख्यान में उन्होंने इस पर विशेष जोर दिया कि यदि संलयन ऊर्जा को सफलतापूर्वक बड़े पैमाने पर उत्पादित किया जाता है तो यह वैश्विक ऊर्जा संकट का एक स्थायी समाधान हो सकता है। व्याख्यान के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें वैज्ञानिकों, शोध छात्रों ने संलयन ऊर्जा और टोकामैक अनुसंधान से संबंधित नवीनतम खोजों पर चर्चा की।



व्याख्यान देते हुए श्री विनय मेनन



वक्ता को स्मृति चिन्ह भेंट देते हुए श्री अशोक मनकानी



व्याख्यान के दौरान उपस्थित श्रोतागण

"मैं विज्ञान का भक्त हूँ। विज्ञान मेरी पूजा है। - सर सी. वी. रमन

"भारत को वैज्ञानिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाना ही हमारा मुख्य लक्ष्य होना चाहिए।"- होमी भाभा

"विज्ञान का उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं है, बल्कि मानवता की सेवा करना भी है।"- जगदीश चंद्र बोस

"अगर भारत को प्रगति करनी है तो वैज्ञानिक सोच और अनुसंधान को बढ़ावा देना होगा।" - मेघनाद साहा

शीर्षक	पृष्ठ सं	शीर्षक	पृष्ठ सं
54वाँ राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह	01-02	आईपीआर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025	12-13
एच-टी-ई आधारित द्वितीय कैलोरीमीटर-स्वदेशी विनिर्माण	03	संस्थान के शैक्षणिक दौरे	14-16
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025	04-06	चारुतर विद्या मंडल (सीवीएम) विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, आनंद, गुजरात में प्लाज़्मा प्रदर्शनी	17
न.रा.का.स, गांधीनगर सुर संध्या कार्यक्रम	07	सीपीपी-आईपीआर, गुवाहाटी में निदेशक का दौरा	18
सेवा-निवृत्ति	07	राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस 2025	19
फ्यूजन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर प्रस्तुति श्रृंखला	08	जायरोट्रॉन पर विशेषज्ञ द्वारा व्याख्यान	19
SERS अनुप्रयोग के लिए नैनोरिपल पैटर्न वाली Si सतह पर Ag नैनोकणों की क्रमिक वृद्धि द्वारा LSPR अपररूपता न्यूनीकरण	09	जागीरोड कॉलेज, असम में प्लाज़्मा प्रदर्शनी	20
"क्या एक शोधकर्ता एक अच्छा उद्यमी बन सकता है?" - विशेषज्ञ द्वारा चर्चा	09	सम्मेलन प्रस्तुती	20
		तकनीक के साथ, विज्ञान की बात	21
स्वच्छता पखवाड़ा 2025	10-11	सहकर्मी परिचय	22

सहकर्मी परिचय



श्री हितेशकुमार कावड़ वर्तमान में संस्थान में वैज्ञानिक अधिकारी-डी के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने वर्ष 2014 में एम.एस. यूनिवर्सिटी बड़ौदा से बी.टेक और वर्ष 2018 में सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एसवीएनआईटी), सूरत से थर्मल सिस्टम डिज़ाइन में एम.टेक किया। दिसंबर 2016 में इन्होंने संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया। वर्ष 2016 से ये बड़े क्रायो प्लांट और क्रायो-सिस्टम प्रभाग (एलसीपीसी) में कार्य कर रहे हैं। ये 80K क्रायोजेनिक्स तापमान और सामान्य तापमान पर क्रायोजेनिक्स के घटक जैसे हीट एक्सचेंजर, फिल्टर, एडसोर्बर बेड, कंट्रोल वाल्व और टरबाइन आदि के परीक्षण कार्य में शामिल है। इन सभी घटकों को एलसीपीसी प्रभाग में हीलियम प्रशीतन सह द्रवीकरण संयंत्र (4.2K पर 200W) के लिए संयोजित और विकसित किया जाता है। संयंत्र के संचालन के दौरान प्रोसेस हीलियम गैस में अशुद्धता को मापने के लिए कुल हाइड्रो कार्बन विश्लेषक (THC) और हाइड्रोजन ऑक्सीजन नाइट्रोजन (HON) विश्लेषक जैसी गैस क्रोमैटोग्राफी प्रणाली का ये संचालन भी करते हैं। हीलियम प्रशीतन सह द्रवीकरण(HRL) संयंत्र के लिए आवश्यक परिधीय प्रणाली के डिज़ाइन, विकास और कमीशनिंग में भी ये शामिल हैं। वर्ष 2022-2023 के दौरान स्टाफ क्लब समिति में भी ये शामिल थे।

होली उत्सव



माह का उद्घरण

"हम वही हैं जो हम बार-बार करते हैं। इसलिए, उत्कृष्टता कोई कार्य नहीं, बल्कि एक आदत है।" - अरस्तू

'प्लाज़्मा समाचार' में प्रकाशित सामग्री प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान के मासिक समाचार पत्र 'The 4th State' से ली गई है। इस सामग्री को प्रदान करने लिए प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान की न्यूज़लेटर टीम का आभार, जिन्होंने सामग्री संकलन से लेकर डिज़ाइनिंग में अपना विशेष योगदान दिया है।

डॉ. सूर्यकान्त गुप्ता	प्रतिभा गुप्ता	डॉ. अनिल कुमार त्यागी	अतुल गर्ग	निशा	शिल्पा खंडकर	डॉ. संध्या दवे	मुकेश सोलंकी
-----------------------	----------------	-----------------------	-----------	------	--------------	----------------	--------------

प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान
भाट, इंदिरा ब्रिज के पास
गांधीनगर 382 428,
गुजरात (भारत)



वेबसाइट: www.ipr.res.in
ई-मेल : hindi@ipr.res.in
फोन नं : 91-79-2396 2000
फैक्स : 91-79-2396 2277